सेरैंगसिया ग्राम पंचायत के प्रतिवेदन

विकेंद्रीकृत पंचायतीराज पदधाति और प्रक्रिया के माध्यम से खाद्य सुरक्षा, पोषण, जीवन और आजीविका में सुधार के उद्देश्य से एक संक्षिप्त रिपोर्ट

(सितंबर 2015 से दिसंबर 2018)

Sikshit Berojger Mahila Samiti

सेरेंगसिया ग्राम पंचायत के प्रतिवेदन

विकेंद्रीकृत पंचायतीराज पदधाति और प्रक्रिया के माध्यम से खाद्य सुरक्षा, पोषण, जीवन और आजीविका में सुधार के उद्देश्य से एक संक्षिप्त रिपोर्ट

(सितंबर 2015 से दिसंबर 2018)

Sikshit Berojger Mahila Samiti

ग्राम पंचायत सेरेंगसिया का कार्यालय

सुश्री बालमा लागुरी
मुखिया
ग्राम पंचायत – सेरेंगसिया

आवास–सह–कार्यालय
ग्राम/पत्रालय – सेरेंगसिया
थाना/प्रखण्ड–टोन्टो, प० सिंहभूम, झारखण्ड – 833201
मो. – 8651067933

पत्रांक संख्या ...107...

दिनांक 14/6/2019

सेरेंगसिया ग्राम पंचायत के उद्योग से कार्यान्वित AHEAD Initiative का Institutional Member SHIKSHIT BEROJGAR MAHILA SAMITI के सहायता से एक साथ मिलकर गाँव में गरीब लोगों का स्वास्थ्य, सुरक्षा, पुष्टि और जीवन ज्योतिका का मान बढ़ाने के लिए word मेम्बर, मुंडा और पंचायत कर्मचारी सभी के सहायता से 14 word में कुल मिलाकर पूरे मानुष कोलेक्ट जो काम चल रहा है जैसे साल भर रखने के लिए पोटला सब्जी बगान, घर का बगान में कम से कम 4 किस्म फलका पेड़ लगाना, पति और मानसून पतित जमीन में दलहन, तिलहन और फसल का खेतीबारी, नया-नया फसल का खेतीबारी, सब्जी फल का पेड़ का पौधा तैयारी उन्नत प्रजाति का बकरी और मुर्गी पालन, छोटा छोटा फार्म का बगान, पशुस्वास्थ्य के लिए एक्सीनेशन, केंचुआ खाद तैयार इत्यादि इससे हमारी पंचायत एक बड़ी दिशा मे और आगे बढ़ रही है, हमारी आशा है कि भविष्य में इस काम और भी अच्छे तरीका से आगे जायेगा।

बालमा लागुरी
मुखिया
[signature]
14/6/2019
मुखिया
ग्राम पंचायत सेरेंगसिया
प्रखण्ड-टोन्टो

सेरेंगसिया ग्राम पंचायत के प्रतिवेदन
विकेंद्रीकृत पंचायतीराज पदधाति और प्रक्रिया के माध्यम से खाद्य सुरक्षा, पोषण, जीवन और आजीविका में सुधार के उद्देश्य से एक संक्षिप्त रिपोर्ट
(सितंबर 2015 से दिसंबर 2018)

संयुक्त उद्यम के लक्ष्य और उद्देश्य

1 प्राकृतिक संसाधनों के उचित प्रबंधन के माध्यम से गरीब परिवारों की खाद्य सुरक्षा, पोषण और आजीविका की गुणवत्ता में वृद्धि।

2 पूरे वर्ष के पोषण के लिए, घर के पास छोटे स्थानों में, जैविक विधि में घरेलू पोषण उद्यान और साग- सब्जी उत्पादन में वृद्धि।

3 क्षेत्र में दाल, तेल और अनाज की फसलों की विविधता और उतपादन क्षमता में वृद्धि।क्षेत्र में पतित भूमि, मनसुनी पतित भूमि, सड़क, नहर, नदी किनारे, तालाब के आड़ का उपयोग बढ़ाकर और आस-पास के गरीब परिवारों को विभिन्न प्रकार के कामों में जोड़ना, विशेष रूप से वृक्ष रोपण कार्यक्रम में।

4 देशी बीजों के उपयोग और संरक्षण को बढ़ाने के लिए, गरीब परिवार / किसान अपने स्वयं के बीज रख सकें और अगले सीजन के दौरान उनका उपयोग कर सकें।

5 कृषि आधारित सामाजिक वानिकी के लिए नर्सरी बनाना और सार्वजनिक स्थानों का उपयोग करके स्थानीय संसाधनों [फल, लकड़ी, ईंधन, चारा, जैविक खाद] का निर्माण करना।

6 खेती की लागत को कम करने के लिए आधुनिक और जैविक विधि से फसलों की खेती करना।

7 पंचायतीराज प्रक्रिया को मजबूत करना, और धीरे धीरे विकेंद्रीकरण के माध्यम से समग्र विकास की दिशा में आगे बढ़ना।

संयुक्त उद्यम क्यों और कैसे

इस क्षेत्र का मुख्य पेशा कृषि कार्य है, इसके लिए प्राकृतिक संसाधनों के उपयोग में अनुभव की कमी है, और शिक्षा, स्वास्थ्य के बारे में जागरूकता की कमी, विशेष रूप से पोषण के बारे में जागरूकता की कमी, गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले परिवारों की संख्या के कारण, यहाँ बहुत कुपोषण है। केंद्र सरकार की ग्रामीण सरकार के सर्वेक्षण के अनुसार, गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले परिवारों की संख्या, विशेष रूप से ST, SC, OBC, भूमिहीन परिवार और सीमांत किसान अधिक है, शुष्क क्षेत्रों के कारणवे केवल बहुत कम खेती कर पातें हैं। परिणामस्वरूप, कई परिवार आजीविका के लिए अन्य राज्य में जाने के लिए मजबूर हो जाते है।कलकत्ता में स्थित AHEAD

Initiatives के सहयोगी संस्था चाईबासा के Shikshit Berojgar Mahila Samiti (SBMS) ने सितंबर 2015 में, हमारी ग्राम पंचायत खाद्य सुरक्षा, पोषण , जीवन और आजीविका को बढ़ावा देने के लिए एक प्रस्ताव लेकर आई। इस संदर्भ में, हम सभी पंचायत सदस्यों, ग्राम पंचायत के पंचायत कर्मचारियों संयुक्त रूप से आयोजित चर्चा में 4 वार्डों के 100 परिवारों के साथ काम करना शुरू किया। इस पहल के अगले चरण में, हमने सभी मुंडा और ग्राम पंचायत के सभी वार्ड सदस्यों और कर्मचारियों के साथ चर्चा की है और सभी वार्डों में इस पहल को फैलाने के लिए सहमत हुए। इसके बाद, ग्राम पंचायत ने अपनी आम बैठक में चर्चा और निर्णय लिया AHEAD Initiatives के सहयोगी संस्था चाईबासा के Shikshit Berojgar Mahila Samiti (SBMS) के साथ 29/9/2016 एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए, जो दिसंबर 2018 तक प्रभावी होगा। आँकड़ों और सूचनाओं के विश्लेषण के आधार पर, पंचायती तौर पर पिछड़े लोगों को सार्वजनिक रूप से, खाद्य सुरक्षा, पोषण और आजीविका में सुधार के उद्देश्य से ग्राम पंचायत के 14 वार्डों के चिन्हित गरीब परिवारों के साथ संयुक्त प्रयास शुरू किए गए।

विशेष रूप से कृषि प्रणाली, फसल चक्र, भोजन की आदतों, स्थानीय संस्कृति और स्वयं सहायता समूहों के बारे में जानकारी एकत्र की गई। फिर ग्रामीण परिवारों की सूची ग्राम मुंडा, पंचायत वार्ड सदस्य और अन्य सभी लोगों की मदद से आयोजित एक बैठक द्वारा बनाई गई, और ग्राम पंचायत ने ग्राम मुंडा, पंचायत वार्ड सदस्य द्वारा अनुमोदित अंतिम सूची बनायीं गई। विस्तृत चर्चा, सीज़न-आधारित योजनाएँ, और योजना के अनुसार चिन्हित गरीब परिवारों के लिए आवेदन, हर सीजन में एक बैठक के माध्यम से किया जाता है। ग्राम पंचायत सभी संसद की योजना को समेकित करती है और संयुक्त रूप से बीजों और सामग्रियों को AHEAD Initiatives के सहयोगी संस्था चाईबासा के Shikshit Berojgar Mahila Samiti (SBMS) और ग्राम पंचायत बीज और सामग्री की खरीद के लिए बजट पर चर्चा करके बीज और सामग्री दिया जाता है। Sikshit Berojgar Mohila Samiti और AHEAD Initiatives के कार्यकर्ता,नियमित रूप से ग्राम पंचायत कर्मचारियों और वार्ड सदस्यों से संपर्क करते हैं और नियमित रूप से क्षेत्र का दौरा करते हैं और गरीब परिवारों को तकनीकी और हाथो हाथ मदद प्रदान करते हैं। शुरुआत से ही, संयुक्त उद्यम के इस काम के बारे में टोंटो पंचायत समिति और माननीय बीडीओ और बीपीओ सहित अन्य अधिकारियों को सूचित किया गया है और उनके सुझावों को स्वीकार किया गया है। कृषि

विभाग, पशुपालन, मत्स्य विभाग, बागवानी विभाग, MGNREGS सेल के कर्मचारियों ने अलग-अलग समय पर मदद और सलाह प्रदान की है।

प्राकृतिक संसाधनों के समुचित उपयोग के लिए पंचायतीराज प्रणाली और प्रक्रिया का अनुसरण करते हुए, पिछले तीन वर्षों के लिए निम्नलिखित पहल की गई हैं, व्यक्तिगत और संयुक्त रूप से 14 वार्डों में 568 गरीब परिवारों को चिन्हित की गई है:

टोला बैठक

विभिन्न कार्यक्रमों के सफल कार्यान्वयन के लिए टोला बैठक होता है। चर्चाओं में किए गए कार्यों की प्रगति और अगली कार्य योजना पर विस्तृत चर्चा नियमित रूप से होता हैं। इसके अलावा, जैविक तरीकों से खेती, बीज के संग्रह और संरक्षण, पोषण और स्वास्थ्य, पशुपालन आदि पर चर्चा की जाती है। इस बैठक में वार्ड क्षेत्रों के प्रतिनिधि और क्षेत्र के प्रमुख व्यक्ति उपस्थित रहते हैं। इस संबंध में कुल 589 टोला बैठकें हुआ हैं।

एलसीडी प्रदर्शन

विभिन्न कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक लागू करने का एक और प्रभावी साधन एलसीडी प्रदर्शन है। जीवन और आजीविका के पोषण, स्वास्थ्य और शैक्षिक पहलुओं को उजागर करने के लिए कुल 186 एलसीडी प्रदर्शित किए गए। जहां 20 से 50/60 लोग मौजूद रहते हैं। लोग इस प्रदर्शन के बारे में बहुत जागरूक हो रहे हैं, और जनसंपर्क बहुत बढ़ रहा है।

घरेलू पोषण उद्यान

14 वीं संसद में, 568 चिन्हित परिवारों ने जैविक विधि से घरेलू पोषण उद्यान बनाए हैं। पोषक बगीचे में कम से कम 7-8 प्रकार की सब्जियों की खेती की है और उन्हें बीज की आपूर्ति की गई है। परिणामस्वरूप, मौसम के आधार पर 2-3 प्रकार की सब्जियों के बजाय, साल में 5-7 प्रकार की विषमुक्त वाली सब्जियां खा रहे हैं, जिसके परिणामस्वरूप सब्जियों के लिए बाजार की निर्भरता कम हो गया है और कुछ सब्जियों को बेचने से परिवार से कुछ अतिरिक्त आय भी हो रही है।

परिवारों को सालो भर सबजी सुनिश्चित करने के लिए घरेलू पोषण उद्यान में हर परिवारों को 2-4 प्रकार की बहुवर्षीय सब्जियों का बीज़ दिया गया (पुई, मुनगा,कुंदरी,कोइनार) परिणामस्वरूप, घरेलू पोषक बगीचे में बहुवर्षीय सब्जी की लगाने का चलन धीरे-धीरे बढ़ रहा है ।

5 प्रकार के फलों के पेड़

पोषक तत्वों की वृद्धि में सुधार के लिए, समीपवर्ती भूमि में न्यूनतम 5 प्रकार के फलदार वृक्ष (पपीता, केला, अमरूद, अनार, निब्बू, आवला आदि) लगाने के लिए गरीब परिवारों को 2-4 प्रकार के फल रोपे गए हैं। परिणामस्वरूप, परिवारों को फल खिलाने की आवश्यकता का एहसास हुआ है और पहले से ही पपीता खा रहे हैं और अन्य पौधे धीरे-धीरे बड़े हो रहे हैं। प्रत्येक वार्ड में प्रत्येक परिवार 5 प्रकार के फलों के पेड़ (पपीता, आमलकी, अमरूद, नींबू, अनानास) लगाने का काम चल रहे हैं।

फलनर्सरी

14 वार्ड में, 28 परिवार सीजन के दौरान 5 प्रकार के फलों के 4500 पौधे ((पपीता, अमरूद, अनार, निब्बू, आवला आदि)का नर्सरी कर रहे हैं, इन पौधों को पोषक बागानों में गरीब परिवारों को पौधे दिए जाएंगे। सिरिक्सिया ग्राम पंचायत इस परियोजना के लिए आवश्यक उपकरणों का समर्थन कर रही है।

सबजी नर्सरी

46 परिवारों ने मिर्च, बैगन, टमाटर और ब्रोकोली मिलाकर 44 हजार पौधे बनाए गए है। 505 परिवार के बगीचे में लगाने के पौधे दिए गए हैं और 46 परिवारों ने व्यक्तिगत रूप से उन फसलों की खेती की है।

नई फसल की खेती ---

ब्रोकोली (हरी फूलगोभी) और पक्चोई (पौष्टिक पत्तेदार)

पिछले 3 वर्षों से, पोषण संयंत्र के परिवारों ने ब्रोकोली और पक्चोई के 10-20 पौधे दिए गए हैं ,उत्पादित सब्जियों को खुद खाया है और पड़ोसियों के बीच वितरित भी किया है। क्षेत्र के लोग इस नई फसल को देख कर उनकी विशेष रुचि पैदा हुई है।

बाँस की कंची कलम

28 परिवारों ने 80 बाँस की कंची कलम किया है। देखभाल की कमी के कारण ज्यादातर पौधे खराब हो गया था। 1 परिवार में 5 कांची के पौधे लगाया, आभी उनके पास 18 बांस झार हैं।

विभिन्न फलों के कलम

9 परिवारों ने 139 नींबू और अमरूद का कलमी किया हैं। हर परिवार ने अपना घर खुद लगाया है। 6 कलमी बेचकर 300 रुपये कमाए। वृक्षारोपण के लिए कुछ 20 पौधे रखे हैं।

केंचुआ खाद का निर्माण और उपयोग

30 लोगोने मछली पेटी में केंचुआ बना रहे हैं।

एजोला की खेती

22 परिवारों ने अपनी आंगन में एजोला बना रहे हैं। मुर्गी, वत्तक, भेड़-बकरी, और अन्य पशु को खिला रहे है, चारा की तैयारी और उपयोग में लोगों की रुचि धीरे-धीरे क्षेत्र में बढ़ रही है।

मुर्गी पालन

12 वार्ड में, 44 परिवारों को वनराज प्रजाति की 212 चूजा दिया गया, जिनसे परिवारों को नियमित रूप से अंडे की आपूर्ति हो रहा हैं।

बकरी पालना

11 वार्ड में, 44 गरीब परिवारों को 11 बकरियां दिया गया हैं। (बच्चे हो जाने के बाद, माँ बकरियों को दूसरे परिवार को दिया जाएगा, इस तरीके से चार गरीब परिवार लाभान्वित होंगे)।

परिवार आधारित छोटे फलों के बगीचे

10 परिवारों के साथ 10 मिश्रित फल लगाए गए हैं। बागान अच्छी स्थिति में हैं।

दलहनी फसलें

ब्यक्तिग्त और संयुक्त रूप से 460 परिवारों को विभिन्न प्रकार का दाल बीज सहायता दी गई है (अरहर, उरद,मुंग, चना, वाटुई, मटर, खेसारी और मसूर) । कुल 141.86 एकड़ भूमि में 208.60 क्विंटल दाल का उत्पादन हुआ है, जिनकी औसतन 4-6 महीने की दाल खाने में सक्षम हैं, इस माध्यम से परिवारों के पोषण मूल्य में काफी सुधार हुआ है और बेचकर परिवार की कुछ अतिरिक्त आय हो रहा है।स्वंय के लिए बीज भी रख रहा है।

खाद्यान्न

ब्यक्तिग्त और संयुक्त रूप से 108 परिवारों को मकई और गेहू बीज सहायता दी गई है, कुल 7.2 एकड़ भूमि में 14.5 क्विंटल उत्पादन हुआ है, जिससे परिवारों को 3 महीने की खाद्य आपूर्ति हुआ है। स्वंय के लिए बीज भी रख रहा है।

तेलहन

ब्यक्तिग्त और संयुक्त रूप से 272 परिवारों को विभिन्न प्रकार का तेलहन बीज सहायता दी गई है (सरसों, तीसी, सरगुजा, मुगफली) । कुल है 54.6 एकड़ भूमि में 50 क्विंटल का उत्पादन

हुआ है, । जिससे परिवारों को 6 महीने तक तेल की आपूर्ति हुआ है। स्वंय के लिए बीज भी रख रहा है।

बीजों का संग्रह और भंडारण

पंचायेत से प्राप्त फसलों के बीज सफल उत्पादन के बाद अगले सीजन में उपयोग के लिए रखते हैं और प्राप्त बीजों को वापस कर देते हैं । इस प्रक्रिया के बाद, बीज संग्रह को बढ़ाने और कार्यक्रम को संरक्षित करने के प्रयास किए गए हैं। अब तक, 518 परिवारों ने फसलों और सब्जियों के खेतों का बीज संरक्षित किया है।

प्रमुख लोगों के क्षेत्र का दौरा

डेनमार्क की ओर से, iiInterest (अहेड के संस्थागत सदस्य,) के प्रतिनिधियों ने एक बार क्षेत्र के संयुक्त उपक्रमों की कुछ गतिविधियों का दौरा किया और अधिकारियों और कर्मचारियों से बात करते हुए परिवार और ग्राम पंचायत से संबंधित कार्यों से संतोष व्यक्त किया। TONTO BLOCK का BDO ओर, ब्लॉक BPO ने अलग-अलग समय में कई क्षेत्रों का दौरा किया और परिवारों से बात करके संयुक्त उपक्रम की प्रशंसा की और आगे की सलाह के साथ सहयोग करने का वादा किया।

क्षेत्र पर क्या प्रभाव पड़ा

a) गरीब परिवारों में पोषण की बढ़ती जागरूकता, सब्जियों और दालों को खाने की प्रवृत्ति में वृद्धि हुई है।

b) पतित भूमि के उपयोग से प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग थोड़ा बढ़ गया है।

c) एजोला खेती से पशु आहार में जागरूकता बढ़ रही है।

d) खुद के लिए बीज को संरक्षित करने और पंचायतों से प्राप्त बीज को वापस करने की प्रवृत्ति गरीब परिवारों और किसानों के बीच थोड़ी बढ़ गई है।

e) ग्राम पंचायत वार्ड सदस्यों / सदस्यों, कर्मचारियों, मुंडा और प्रतिष्ठित लोगों के सहयोग से, विभिन्न विकास गतिविधियों में आम आदमी की उपस्थिति और भागीदारी पहले की तुलना में थोड़ी बढ़ गई है, पंचायतीराज प्रक्रिया पहले की तुलना में थोड़ा मजबूत हुया हैं।

महत्वपूर्ण उदाहरण

a) गरीब परिवार अलग-अलग तरीकों से काम कर रहे, 3-5 लोगों के साथ संयुक्त रूप से काम कर रहे हैं, ताकि भूमिहीन परिवारों ने शेयर पद्धति या पट्टे के साथ पतित भूमि का उपयोग बढ़ाया

है। उन्होंने अपने लिए कुछ भोजन और पोषक तत्व बढ़ाए हैं।

b) ग्राम पंचायतों और संबंधित प्रतिनिधियों के साथ ग्रामीणों का अधिक समय, सीखने वालों के लिए रुचि और ज्ञान, कौशल और अनुकरणीय सामाजिक सम्मान थोड़ा बढ़ गया है ।

c) ग्राम पंचायत के परिवार बीजों और अन्य सूचनाओं का समुचित उपयोग कर रहे हैं। अपने लिए आवश्यक बीजों को बचाना और कटाई के बाद प्राप्त बीजों को वापस करना।

d) प्रखंड विकास अधिकारी के कार्यालय, ब्लॉक के पशु विकास और कृषि विभाग की सहायता मिल रहा हैं और गाँव के लोगो के सम्बन्ध अच्छा हुआ हैं।

मुखिया - बलमा लागुरी; उप मुखिया - सरदार देवगम;

ग्राम पंचायत के वार्ड सदस्यों के नाम---

Mongly Laguri, Moti Balmuchu, Sridevi Nayek, Balema Laguri, Rajni Haiburu, Jonga Gope, Laxmi Band, Tirsi Surin, Banshing Suring, Sidham Laguri, Gangaram Pan, Shyam Laguri, Sardar Deogam

ग्राम पंचायत मुंडा का नाम---

Anand Laguri, Ram Rai Balmuchu, Manohar Laguri, Bimal Laguri, Kamal Nayek, Puran Balmuchu, Anand Laguri, Bansingh Surin, Devendra Deogam

संयुक्त उद्यम सहायता क्षेत्र में प्रमुख व्यक्ति का नाम-

Chitrabati Laguri, Moti Balmuchu, Anita Khandait, Balema Laguri, Sumitra Laguri, Kamala Balmuchu, Sunay Bari, Anita Mahato, Suramoni Laguri, Radha Laguri, Radhika Laguri, Sabitri Khandait

ग्राम पंचायत कर्मचारियों का नाम --- Panchayat Sachib - Krishna Chandra Deogam ;

Gram Panchayat Rojkar Sevak - Paikirai Tubid

AHEAD Initiatives

32/6 Gariahat Road (S), Kolkata: 700031, Tel: +91 33 4067 0369